बाह्य प्रशिक्षण कार्यक्रम

मानव संसाधन विकास - सहकारिता
प्रशिक्षण एवं विकास

<u>गैर-एनडीपी-I कार्यक्रम</u>

राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड

मानव संसाधन विकास - सहकारिता सेवाएं ग्रुप द्वारा
एनडीडीबी आणंद में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

एनडीडीबी दूध उत्पादकों, निदेशक मंडलों तथा डेरी सहकारिताओं के अधिप्राप्ति कार्मिकों को प्रशिक्षण/अभिमुखन प्रदान करती है । नई पीढ़ी की सहकारिताओं से संबद्ध दूध उत्पादकों को भी प्रशिक्षण दिया जाता है ।

प्रशिक्षण मॉड्यूल्स गांव स्तरीय डेरी संस्थाओं - जैसी सक्षम, आकर्षक एवं टिकाऊ हस्तियां, जो दूध उत्पादकों को उचित एवं लाभदायक रिटर्न प्रदान करती हैं, पर केंद्रित हैं । दूध व्यापार की मूल्य श्रृंखला के सभी स्तरों पर सुशासन तथा व्यावसाय प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जाता है ।

- प्रशिक्षण कार्यक्रमों में व्याख्यान सत्र, खेल, क्षेत्र दौरे, प्रदर्शन, शैक्षिक फिल्म तथा दूध उत्पादकों एवं संस्थाओं से संवाद शामिल हैं
- अनुरोध पर सहकारिता दूध उद्योग से संबंधित विषयों/क्षेत्रों में कस्टम निर्मित माड्यूल्स को प्रस्तावित किया जाता है । ये माड्यूल आवश्यकता पर आधारित होते हैं जो कि डेरी उद्योग में वर्तमान स्थिति को ध्यान में रखते हुए विशेष प्रशिक्षण आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं
- व्यापक प्ररिप्रेक्ष्य में डेरी विकास हेतु भारत या विदेश में सरकारी तथा गैर सरकारी संस्थाओं के लिए अनुरोध पर प्रशिक्षण/अभिमुखन कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं

कार्यक्रम

I. सहकारिताओं के लिए बोर्ड अभिमुखन कार्यक्रम	
प्रतिभागी एवं पात्रता मानदंड	चयनित सहकारी दूध संघों के निदेशक
प्रशिक्षण श्रेणी	बोर्ड सदस्य
प्रशिक्षण शुल्क (प्रति प्रतिभागी)	रू. 3642/- (कर सहित, परिवर्तन के अधीन)
कार्यक्रम का उद्देश्य	निम्नलिखित में प्रतिभागियों को सक्षम बनाना: • डेरी सहकारिताएं, बढ़ती प्रतिस्पर्धा सहित जिन चुनौतियों का सामना कर रही हैं उन्हें पहचानना तथा उन चुनौतियों से निपटने के लिए प्रभावी कार्य योजना बनाना • उनकी भूमिका एवं उत्तरदायितवों को समझना तथा लम्बी अवधि के उद्देश्यों को पूरा करने एवं उनके दूध संघों में वृद्धि करने हेतु नीतियां बनाने के लिए बोर्ड की बैठकों में सक्रिय रूप से भाग लेना • आर्थिक उद्यम में मूल्यों के महत्व तथा सुशासन एवं व्यावसायिक प्रबंधन के महत्व को पहचाना • उनके दूध संघों की क्षमता एवं कमजोरियों को पहचानना तथा उनके व्यापार में लाभ प्राप्ति की प्रक्रियाओं को अपनाना
फोकस क्षेत्र	• एक अच्छे व्यावसायिक पहुंच तथा अच्छे शासन के माध्यम से दूध

	संघ द्वारा बेहतर व्यापार की प्राप्ति

पाठ्यक्रम का संक्षिप्त विवरण	डेरी सहकारिताओं के सामने आने वाली चुनौतियां तथा उनसे निपटने के लिए कार्य योजना राष्ट्रीय डेरी योजना दूध संघों की कार्यक्षमता का मूल्यांकन एसडब्ल्यूओटी का विश्लेषण मूल्य आधारित संस्थाएं, विजन तथा मिशन कथन का महत्व, दीर्घकालिक उद्देश्य भूमिकाएं एवं उत्तरदायित्व, बोर्ड प्रबंधन संबंध एनडीपी से संबंधित उत्पादकता वृद्धि में प्रचलन (ट्रेंड), आहार संतुलन कार्यक्रम गुणवत्ता आश्वासन, डेरी सहकारिताओं में महिलाओं की सहभागिता संबंधित क्षेत्र दौरे जैसे - डेरी सहकारिता, डेरी, विश्लेषणात्मक प्रयोगशाला इत्यादि

II. दूध संघों के अधिप्राप्ति कार्मिकों के लिए व्यापार वृद्धि कार्यक्रम	
प्रशिक्षण श्रेणी	कार्यपालक
प्रशिक्षण शुल्क (प्रति प्रतिभागी)	रू. 5523/- (कर सहित, परिवर्तन के अधीन)
कार्यक्रम के उद्देश्य	प्रतिभागियों को सक्षम बनाना: • प्रभावी एवं कुशल सहायकों के रूप में कार्य • दूध अधिप्राप्ति तथा संस्थागत विकास से संबंधित इच्छिक मुख्य लक्ष्यों की प्राप्ति तथा सदस्य प्रतिभागिता हेतु सहायता • एक उच्च पेशेवर संकल्प तथा सहकारी दूध व्यापार के विकास हेतु पहल का प्रदर्शन • वर्तमान परिप्रेक्ष्य तथा सहकारी डेरी उद्योग में विकास को समझना तथा सहकारिताओं के प्रतिस्पर्धात्मक होने की आवश्यकता की सराहना करना
फोकस क्षेत्र	• कवरेज (व्याप्ति) तथा अधिप्राप्ति को बेहतर करना • दूध प्राप्ति स्थलों पर कच्चे दूध की गुणवत्ता को बेहतर करना
पाठ्यक्रम विषय-वस्तु का संक्षिप्त विवरण	• डेरी सहकारिताओं के सामने आने वाली चुनौतियां तथा उनसे निपटने के लिए कार्य योजना, राष्ट्रीय डेरी योजना दूध अधिप्राप्ति को बढ़ाने की कार्य योजना - 'गहराई' तथा 'फैलाव' अवधारणा दूध विपणन में वर्तमान चलन, एमआईएस का महत्व, दूध व्यापार में मानक प्रचालन लागत, गुणवत्ता आश्वासन,

	उत्पादकता वृद्धि की आधुनिक अवधारणा उपलब्धि अभिप्रेरणा, संचार विस्तार का महत्व क्षमता निर्माण का महत्व, डेरी सहकारिताओं में महिलाओं की सहभागिता को बढ़ाना संबंधित क्षेत्र के दौरे जैसे - डेरी सहकारिता, डेरी, विश्लेषणात्मक प्रयोगशाला इत्यादि

III. कृषक प्रेरण एवं अभिमुखन कार्यक्रम	
प्रतिभागी	दूध उत्पादक/एमसीएम/डीसीएस अध्यक्ष
प्रशिक्षण श्रेणी	डेरी सहकारिता समितियों के दूध उत्पादक सदस्य
प्रशिक्षण शुल्क (प्रति प्रतिभागी)	यदि प्रतिभागी बस से आते हैं : रू. 846 (कर सहित, परिवर्तन के अधीन) यदि प्रतिभागी ट्रेन से आते हैं : रू. 937(कर सहित, परिवर्तन के अधीन)
कार्यक्रम का उद्देश्य	निम्नलिखित में प्रतिभागियों को सक्षम बनाना: • स्वच्छ एवं पारदर्शी दूध अधिप्राप्ति प्रचालन, प्रशिक्षित डीसीएस कर्मचारी तथा सक्रिय प्रबंध समितियों की आवश्यकता की सराहना • सदस्य भागीदारी के महत्व (वैल्यू) की सराहना तथा डीसीएस स्तर पर प्रभावी प्रचालनों के लिए महिला सदस्यों की सहभागिता • दूध उत्पादन को बढ़ाने के लिए उचित प्रजनन, आहार, स्वास्थ्य सुरक्षा तथा पशुओं के प्रबंधन के महत्व को पहचानना • खेत तथा डीसीएस स्तर पर स्वच्छ दूध उत्पादन प्रयासों के बारे में बताना
फोकस क्षेत्र	• कवरेज (व्याप्ति) तथा अधिप्राप्ति को बेहतर करना • कच्चे दूध की गुणवत्ता को बेहतर बनाना • उचित प्रजनन पोषण, स्वास्थ्य प्रबंधन प्रयासों द्वारा दूध की उत्पादकता को बढ़ाना • डीसीएस स्तर पर महिलाओं की सहभागिता बढ़ाना
पाठयक्रम विषय-वस्तु का संक्षिप्त विवरण	डेरी सहकारिता तथा एनडीडीबी की भूमिका के बारे में संक्षिप्त जानकारी देना, पशु स्वास्थ्य तथा उत्पादकता, आहार तथा चारा पहलू स्वच्छ दूध उत्पादन, डेरी सहकारिताओं में महिलाओं की भूमिका शैक्षिक फिल्म संबंधित क्षेत्र दौरे जैसे - डेरी सहकारिता, डेरी चारा फार्म, पशु आहार फैक्टरी इत्यादि

राष्ट्रीय डेरी योजना - I
के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्रम सं.	विवरण	ब्यौरा
1	कार्यक्रम शीर्षक	संतान परीक्षण कार्यक्रमों में परियोजना समन्वयकों के लिए अभिमुखन (पुनश्चर्या)[1]
2	कार्यक्रम का उद्देश्य	इस कार्यक्रम का उद्देश्य है - क्षेत्र आधारित संतान परीक्षण कार्यक्रम के महत्व के बारे में प्रतिभागियों के बीच जागरूकता पैदा करना ताकि दुधारू पशुओं में उत्पादकता को बढ़ाया जा सके और उन्हें बेहतर बनाए रखा जा सके तथा उन्हें परियोजना अवधारणा, संस्थागत व्यवस्था, कार्यान्वयन तथा निगरानी प्रक्रिया, लेखा प्रक्रियाएं इत्यादि में प्रवृत्त (ओरियंट) करना ।
3	फोकस क्षेत्र	आनुवंशिक विकास द्वारा दुधारू पशुओं की उत्पादकता बढ़ाना तथा चयन द्वारा पीटी कार्यक्रम का प्रभावी कार्यान्वयन एवं निगरानी करना ।
4	अवधि	3 दिन
5	लक्ष्य प्रतिभागी	वरिष्ठ पशु चिकित्सक अधिकारी एनडीपी-। के अंतर्गत स्वीकृत संतति परीक्षण कार्यक्रमों के परियोजना समन्वयकों के रूप में शामिल हैं ।
6	पाठयक्रम विषय-वस्तु का संक्षिप्त विवरण	आनुवंशिकी तथा प्रजनन का मूल (बेसिक) यंग बुल कार्यक्रम को लागू करना / विकासशील देशों के लिए संतान परीक्षण कार्यक्रम: निष्पादन रिकार्डिंग/दूध रिकार्डिंग - निगरानी प्रक्रिया इनाफ - आंकड़ों के प्रबंधन हेतु सूचना तंत्र मानक रिकार्डिंग ओर पर्यवेक्षण अभ्यास - बुनियादी मानक बुल मदर के लिए तथा नामित सेवाओं के लिए सांड चयन प्रक्रिया नामित सेवा द्वारा सांड़ बछड़े को वापस लाने की प्रक्रिया तथा कार्य-पद्धति परियोजना क्षेत्र का क्षेत्र दौरा

---

1. **पुनश्चर्या प्रशिक्षण (2 दिवसीय) में कुछ अनुभव सांझा करने के साथ-साथ समान तरह के विषय शामिल होंगे तथा परियोजना से फीडबैक केवल उन्हीं से लिया जाएगा, जिन्होंने 2 वर्षों में कम से कम एक पीटी परियोजना को लागू किया है ।**

क्रम सं.	विवरण	ब्यौरा
1	कार्यक्रम शीर्षक	संतान परीक्षण कार्यक्रम पर क्षेत्र स्तरीय समन्वयकों के लिए अभिमुखन (पुनश्चर्या)[2]
2	कार्यक्रम का उद्देश्य	इस कार्यक्रम का उद्देश्य है - क्षेत्र आधारित संतान परीक्षण कार्यक्रम के महत्व के बारे में प्रतिभागियों के बीच जागरूकता पैदा करना ताकि दुधारू पशुओं में उत्पादकता को बढ़ाया जा सके और उन्हें बेहतर बनाए रखा जा सके तथा उन्हें परियोजना अवधारणा, संस्थागत व्यवस्था, कार्यान्वयन तथा निगरानी प्रक्रिया, लेखा प्रक्रियाएं इत्यादि में प्रवृत्त (ओरियंट) करना ।
3	फोकस क्षेत्र	पीटी कार्यक्रम का प्रभावी कार्यान्वयन एवं निगरानी
4	अवधि	7 दिन
5	लक्ष्य प्रतिभागी	दूध संघों के पशु चिकित्सा अधिकारी/सरकारी एजेंसियां/ संतति परीक्षण कार्यक्रमों के लिए जिले/क्षेत्र समन्वयकों के रूप में कार्यरत अन्य एआई सेवा प्रदाता ।
6	पाठयक्रम विषय-वस्तु का संक्षिप्त विवरण	आनुवंशिक विकास कार्यक्रमों के लिए आनुवंशिकी तथा प्रजनन की मूल - शब्दावली, प्रजनन पद्धतियां, प्रजनन नियम तथा प्रजनन प्रचालन आवश्यकता ताकि पीढ़ी दर पीढ़ी दुधारू पशुओं की आनुवंशिक क्षमता को बढ़ाया जा सके विकासशील देशों के लिए यंग बुल कार्यक्रम, संतान परीक्षण कार्यक्रम का कार्यान्वयन: इनाफ - आंकड़ों के प्रबंधन हेतु सूचना तंत्र नामित सेवा द्वारा सांड़ बछड़े को वापस लाने की प्रक्रिया उनके पालन पोषण तथा वितरण की कार्य-पद्धति, विभिन्न परीक्षण, प्रोटोकॉल, विभिन्न परीक्षणों के नमूनों का अग्रसारण/बछड़ों का प्रबंधन/बछड़ों का परीक्षण, डीवार्मिंग तथा टीकाकरण ।

---

2. पुनश्चर्या प्रशिक्षण (2 दिवसीय) में कुछ अनुभव सांझा करने के साथ-साथ समान तरह के विषय शामिल होंगे तथा परियोजना से फीडबैक केवल उन्हीं से लिया जाएगा, जिन्होंने 2 वर्षों में कम से कम एक पीटी परियोजना को लागू किया है ।

क्रम सं.	विवरण	ब्यौरा
1	कार्यक्रम शीर्षक	संतान परीक्षण में प्रभारी बछड़ा पालन-पोषण स्टेशन के लिए अभिमुखन (पुनश्चर्या)[3]
2	कार्यक्रम का उद्देश्य	इस कार्यक्रम का उद्देश्य है - क्षेत्र आधारित संतान परीक्षण कार्यक्रम के महत्व के बारे में प्रतिभागियों के बीच जागरूकता पैदा करना ताकि दुधारू पशुओं में उत्पादकता को बढ़ाया जा सके और उन्हें बेहतर बनाए रखा जा सके तथा उन्हें परियोजना अवधारणा, संस्थागत व्यवस्था, कार्यान्वयन तथा निगरानी प्रक्रिया, लेखा प्रक्रियाएं इत्यादि में प्रवृत्त (ओरियंट) करना ।
3	फोकस क्षेत्र	स्वस्थ, रोग मुक्त सांड़ों का वीर्य स्टेशनों में वितरण हेतु पालन ।
4	अवधि	4 दिन
5	लक्ष्य प्रतिभागी	सांड़ बछड़ों के पालन हेतु प्रभारी, बछड़ा पालन स्टेशन के रूप में कार्यरत पशु चिकित्सा अधिकारी ।
6	पाठयक्रम विषय-वस्तु का संक्षिप्त विवरण	आनुवंशिक विकास कार्यक्रम के लिए आनुवंशिकी तथा प्रजनन की मूल - शब्दावली, प्रजनन पद्धतियां, प्रजनन नियम तथा प्रजनन प्रचालन आवश्यकता ताकि पीढ़ी दर पीढ़ी दुधारू पशुओं की आनुवंशिक क्षमता को बढ़ाया जा सके विकासशील देशों के लिए यंग बुल कार्यक्रम, संतानपरीक्षण कार्यक्रम का कार्यान्वयन: निष्पादन रिकार्डिंग/दूध रिकार्डिंग क्यों अपेक्षित है, इसे कैसे किया जाए; निगरानी प्रक्रिया इनाफ - आंकड़ों के प्रबंधन हेतु सूचना तंत्र नर पशु मूल्यांकन पद्धति तथा उसका परिणाम मानक रिकार्डिंग और पर्यवेक्षण अभ्यास-बुनियादी मानक सूचना तंत्र, बुल मदर के लिए तथा नामित सेवाओं के लिए सांड चयन प्रक्रिया, नामित सेवा द्वारा सांड़ बछड़े को वापस लाने की प्रक्रिया तथा कार्य-पद्धति - विभिन्न परीक्षण किए जाने हैं परियोजना क्षेत्र का क्षेत्र दौरा

---

3. पुनश्चर्या प्रशिक्षण (2 दिवसीय) में कुछ अनुभव सांझा करने के साथ-साथ समान तरह के विषय शामिल होंगे तथा परियोजना से फीडबैक केवल उन्हीं से लिया जाएगा जिन्होंने 2 वर्षों में कम से कम एक पीटी परियोजना को लागू किया है ।

क्रम सं.	विवरण	ब्यौरा
1	कार्यक्रम शीर्षक	संतान परीक्षण कार्यक्रमों में ए आई अधिकारियों के लिए अभिमुखन (पुनश्चर्या)[4]
2	कार्यक्रम का उद्देश्य	यह कार्यक्रम क्षेत्र आधारित संतान परीक्षण कार्यक्रम के महत्व के बारे में प्रतिभागियों के बीच जागरूकता पैदा करने पर विचार करता है ताकि दुधारू पशुओं में उत्पादकता को बढ़ाया जा सके और उन्हें बेहतर बनाए रखा जा सके तथा उन्हें परियोजना अवधारणा, संस्थागत व्यवस्था, कार्यान्वयन तथा निगरानी प्रक्रिया, लेखा प्रक्रियाएं इत्यादि के लिए प्रवृत्त करना ।
3	फोकस क्षेत्र	संतान परीक्षण क्षेत्र में एआई संबंधित इनपुट का समयानुसार प्रभावी वितरण
4	अवधि	2 दिन
5	लक्ष्य प्रतिभागी	दूध संघों के पशु चिकित्सा अधिकारी/सरकारी एजेंसियां/अन्य एआई सेवा प्रदाता जो संतान परीक्षण कार्यक्रम क्षेत्र में एआई इनपुट आपूर्ति के प्रभारी हैं ।
6	पाठयक्रम विषय-वस्तु का संक्षिप्त विवरण	नस्ल विकास कार्यक्रम के लिए आनुवंशिकी तथा प्रजनन की मूल - शब्दावली, प्रजनन पद्धतियां, प्रजनन नियम तथा प्रजनन प्रचालन की आवश्यकता ताकि पीढ़ी दर पीढ़ी दुधारू पशुओं की नस्ल क्षमता को बढ़ाया जा सके । विकासशील देशों के लिए यंग बुल कार्यक्रम, संतान परीक्षण कार्यक्रम का कार्यान्वयन: पीटी एरिया में परीक्षण गर्भाधान तथा नामित एआई का संयोजन । एआई कार्यक्रम की निगरानी ।

---

4. पुनश्चर्या प्रशिक्षण (2 दिवसीय) में कुछ अनुभव सांझा करने के साथ-साथ समान तरह के विषय शामिल होंगे तथा परियोजना से फीडबैक केवल उन्हीं से लिया जाएगा जिन्होंने 2 वर्षों में कम से कम एक पीटी परियोजना को लागू किया है ।

क्रम सं.	विवरण	ब्यौरा
1	कार्यक्रम शीर्षक	देशी नस्ल विकास कार्यक्रम में परियोजना समन्वयकों के लिए अभिमुखन (पुनश्चर्या)[5]
2	कार्यक्रम का उद्देश्य	इस कार्यक्रम का उद्देश्य है - क्षेत्र आधारित संतान परीक्षण कार्यक्रम के महत्व के बारे में प्रतिभागियों के बीच जागरूकता पैदा करना ताकि दुधारू पशुओं में उत्पादकता को बढ़ाया जा सके और उन्हें बेहतर बनाए रखा जा सके तथा उन्हें परियोजना अवधारणा, संस्थागत व्यवस्था, कार्यान्वयन तथा निगरानी प्रक्रिया, लेखा प्रक्रियाएं इत्यादि में प्रवृत्त (ओरियंट) करना ।
3	फोकस क्षेत्र	नस्ल सुधार (संतति चयन) द्वारा देशी पशुओं की उत्पादकता बढ़ाना ।
4	अवधि	4 दिन
5	लक्ष्य प्रतिभागी	आईबीडी परियोजनाओं के परियोजना प्रबंधक जो नस्ल विकास कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के लिए उत्तरदायी हैं ।
6	पाठयक्रम विषय-वस्तु का संक्षिप्त विवरण	स्थायी डेरी उत्पादन के देशी पशु नस्लों का महत्व गाय और भैंस की भारतीय डेरी नस्लें - लक्षण तथा वितरण स्थान एवं बाह्य स्थान संरक्षण पद्धति संरक्षण कार्यक्रम तथा लाईन एजेंसियों के साथ संपर्क में सामुदायिक प्रतिभागिता पशु प्रजनन की मूल बातें, नस्ल में चयन तथा सीधा उसी नस्ल में प्रजनन, निष्पादन रिकार्डिंग, सांड़ उत्पादन, प्राप्ति तथा पालन पोषण, कुलीन पशुओं का चयन सांड़ उत्पादन के लिए प्रोटोकॉल, आंकड़ा प्रबंधन हेतु सूचना तंत्र, ग्राम प्रजनन केन्द्रों (एआई तथा प्राकृतिक सेवा यूनिट) का कार्यक्रम, निगरानी स्थापना, एसओपी का पालन करना, रसद की प्राप्ति एवं आपूर्ति कुल परियोजना सुधार के लिए समस्या विश्लेषण तथा हस्तक्षेप प्रविधि की पहचान ।

---

5. पुनश्चर्या प्रशिक्षण (2 दिवसीय) में कुछ अनुभव सांझा करने के साथ-साथ समान तरह के विषय शामिल होंगे तथा परियोजना से फीडबैक केवल उन्हीं से लिया जाएगा, जिन्होंने 2 वर्षों में कम से कम एक पीटी परियोजना को लागू किया है ।

1.1.1 देशी नस्ल विकास कार्यक्रमों में जिला समन्वयकों के लिए अभिमुखन

क्रम सं.	विवरण	ब्यौरा
1	कार्यक्रम शीर्षक	**देशी नस्ल विकास कार्यक्रमों में जिला समन्वयकों के लिए अभिमुखन**(पुनश्चर्या)[6]
2	कार्यक्रम का उद्देश्य	इस कार्यक्रम का उद्देश्य है - क्षेत्र आधारित संतान परीक्षण कार्यक्रम के महत्व के बारे में प्रतिभागियों के बीच जागरूकता पैदा करना ताकि दुधारू पशुओं में उत्पादकता को बढ़ाया जा सके और उन्हें बेहतर बनाए रखा जा सके तथा उन्हें परियोजना अवधारणा, संस्थागत व्यवस्था, कार्यान्वयन तथा निगरानी प्रक्रिया, लेखा प्रक्रियाएं इत्यादि में प्रवृत्त (ओरियंट) करना ।
3	फोकस क्षेत्र	नस्ल सुधार (संतति चयन) द्वारा देशी पशुओं की उत्पादकता बढ़ाना ।
4	अवधि	5 दिन
5	लक्ष्य प्रतिभागी	आईबीडी परियोजनाओं के जिला समन्वयक, जो नस्ल विकास कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के लिए उत्तरदायी हैं ।
6	पाठयक्रम विषय-वस्तु का संक्षिप्त विवरण	स्थायी डेरी उत्पादन में देशी पशु नस्लों का महत्व गाय और भैंस की भरतीय डेरी नस्लें - लक्षण तथा वितरण स्थान एवं बाह्य स्थान संरक्षण पद्धति संरक्षण कार्यक्रम तथा लाईन एजेंसियों के साथ संपर्क में सामुदायिक प्रतिभागिता पशु प्रजनन की मूल बातें, नस्ल में चयन तथा सीधा उसी नस्ल में प्रजनन, निष्पादन रिकार्डिंग, सांड़ उत्पादन, प्राप्ति तथा पालन पोषण, कुलीन पशुओं का चयन, सांड़ उत्पादन के लिए प्रोटोकॉल, आंकड़ा प्रबंधन हेतु सूचना तंत्र, ग्राम प्रजनन केन्द्रों (एआई तथा प्राकृतिक सेवा यूनिट) पर कार्यक्रम निगरानी की स्थापना, एसओपी का पालन करना, रसद की प्राप्ति एवं आपूर्ति प्रोडक्शन एनवायरमेंट तथा विपणन के विकास के लिए हस्तक्षेप प्रविधियों का विश्लेषण एवं पहचान पुनरूत्पादन का मूल आधार बांझपन की समस्या का निवारण तथा विस्तार कैंपों का आयोजन

---

6. पुनश्चर्या प्रशिक्षण (2 दिवसीय) में कुछ अनुभव सांझा करने के साथ-साथ समान तरह के विषय शामिल होंगे तथा परियोजना से फीडबैक केवल उन्हीं से लिया जाएगा, जिन्होंने 2 वर्षों में कम से कम एक पीटी परियोजना को लागू किया है ।

1.2 पशु पोषण

1.2.1 आहार संतुलन कार्यक्रम (आरबीपी) पर तकनीकी अधिकारियों/ प्रशिक्षुओं /पशु पोषणविदों का प्रशिक्षण

क्रम सं.	विवरण	ब्यौरा
1	कार्यक्रम शीर्षक	**आहार संतुलन कार्यक्रम (आरबीपी) पर तकनीकी अधिकारियों/ प्रशिक्षुओं /पशु पोषणविदों का प्रशिक्षण**
2	कार्यक्रम का उद्देश्य	आरबीपी पर प्रतिभागियों को प्रशिक्षित करना तथा उत्पादकता और उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक पशु आहार एवं प्रबंधन का ज्ञान प्राप्त करना ।
3	फोकस क्षेत्र	स्थानीय उपलब्ध चारा स्रोतों का प्रयोग करके संतुलित राशन के माध्यम से पोषक तत्वों को अनुकूलित बनाना ।
4	अवधि	5 कार्य दिवस
5	लक्ष्य प्रतिभागी	तकनीकी अधिकारी/प्रशिक्षु/पशु पोषणविद
6	पाठयक्रम विषय-वस्तु का संक्षिप्त विवरण	**पहले दिन:** पशु पोषण के मूल पहलू; आमतौर पर उपलब्ध आहार एवं चारे के रासायनिक संयोजन; डीवार्मिंग सहित विभिन्न श्रेणी के पशुओं के लिए पोषक तत्वों की आवश्यकता; उत्पादकता बढ़ाने के लिए क्षेत्र विशेष में उपलब्ध खनिज मिश्रण का महत्व; दूध की उत्पादकता बढ़ाने के लिए बायपास प्रोटीन तथा बायपास फैट पूरक; यंग बछड़ों के लिए मिल्क रिपलेसर तथा काफ स्टार्टर सहित विभिन्न श्रेणी के पशुओं के लिए विभिन्न प्रकार के चारे; फसल अवशेषों का प्रबंधन; डेरी पशुओं के लिए हरे चारे का महत्व तथा हरे चारे की वृद्धि के लिए प्रमाणित/सत्यतापूर्वक लेबल युक्त चारा बीज । संतुलित आहार द्वारा मीथेन उत्सर्जन को कम करने की संभावना । **दूसरे दिन: आरबीपी की प्रस्तावना**; आरबीपी सॉफ्टवेयर पर संक्षिप्त विवरण; लेपटॉप/नेटबुक के माध्यम से आरबीपी सॉफ्टवेयर का प्रदर्शन;एजेंसी, तकनीकी अधिकारी पशु पोषणविदों, प्रशिक्षुओं, पर्यवेक्षकों, सहायकों/स्थानीय संसाधकों की भूमिका एवं उत्तरदायित्व;आरबीपी के लिए पशुओं का चयन;ईयर टैग का प्रदर्शन, शरीर के भार, आहार तथा चारे का मापन, आहार संतुलन कार्यक्रमका कार्यान्वयन एवं निगरानी तीसरे से पॉचवे दिन: आरबीपी सॉफ्टवेयर **पर अभ्यास**

---

7. **वर्तमान सहकारिताओं तथा उत्पादक कंपनियों के लिए तकनीकी अधिकारियों, प्रशिक्षुओं और पशु पोषणविदों का आरबीपी पर बेसिक प्रशिक्षण ।**

1.2.2

आहार संतुलन कार्यक्रम(आरबीपी) पर तकनीकी अधिकारियों/पशु पोषणविदों का पुनश्चर्या प्रशिक्षण

क्रम सं.	विवरण	ब्यौरा
1	कार्यक्रम शीर्षक	**आहार संतुलन कार्यक्रम (आरबीपी) पर तकनीकी अधिकारियों/ पशु पोषणविदों का पुनश्चर्या प्रशिक्षण**
2	कार्यक्रम का उद्देश्य	क्षेत्र में आरबीपी कार्यान्वयन के दौरान आने वाली समस्याओं के बारे में विचार-विमर्श करना तथा पशु पोषण के क्षेत्र में अद्यतन तकनीकी की पुनरावृत्ति करना ।
3	फोकस क्षेत्र	आरबीपी के अंतर्गत स्थानीय उपलब्ध चारा स्रोतों का प्रयोग करने तथा पशुओं की व्यापति को बढ़ाने के लिए संतुलित आहार के माध्यम से पोषक तत्वों को अनुकूलित बनाना ।
4	अवधि	2 कार्य दिवस (आवश्यकतानुसार)
5	लक्ष्य प्रतिभागी	तकनीकी अधिकारी/पशु पोषणविद
6	पाठयक्रम विषय-वस्तु का संक्षिप्त विवरण	**पहले दिन:** क्षेत्र में आरबीपी कार्यान्वयन के दौरान तकनीकी अधिकारियों/पशु पोषण विदों के समक्ष आने वाली समस्याओं पर विचार-विमर्श करना । **दूसरे दिन:** आरबीपी सॉफ्टवेयर **पर अभ्यास, आवश्यकतानुसार**

1.2.3

आहार संतुलन कार्यक्रम(आरबीपी) के कार्यान्वयन पर पर्यवेक्षकों/स्थानीय संसाधकों/सहायकों का प्रशिक्षण

क्रम सं.	विवरण	ब्यौरा
1	कार्यक्रम शीर्षक	**आहार संतुलन कार्यक्रम(आरबीपी) के कार्यान्वयन पर** पर्यवेक्षकों/स्थानीय जानकार व्यक्तियों/सहायकों का प्रशिक्षण
2	कार्यक्रम का उद्देश्य	आरबीपी के कार्यान्वयन हेतु प्रतिभागियों को प्रशिक्षित करना तथा डेरी पशुओं के चारे की तथा प्रबंधक की मूलभूत जानकारी प्राप्त करना ।
3	फोकस क्षेत्र	स्थानीय उपलब्ध चारा स्रोतों का प्रयोग करके संतुलित आहार द्वारा पोषक तत्वों की आपूर्ति को अनुकूलित बनाना ।
4	अवधि	15 कार्य दिवस (7 दिन कक्षा और 7 दिन क्षेत्र प्रदर्शन)
5	लक्ष्य प्रतिभागी	पर्यवेक्षक/स्थानीय जानकार व्यक्ति/सहायक
6	पाठयक्रम विषय-वस्तु का संक्षिप्त विवरण	**1. कक्षा सत्र** **पहले दिन: पशुओं के आहार एवं प्रबंधन का मूल पहलू;** उत्पादकता बढ़ाने के लिए क्षेत्र विशेष के खनिज मिश्रण, बायपास प्रोटीन तथा वसा पूरकों का महत्व; पशुओं को हरा चारा खिलाने का महत्व । **दूसरे दिन:** आरबीपी पर संक्षिप्त विवरण; आरबीपी सॉफ्टवेयर का प्रदर्शन; पर्यवेक्षकों की भूमिका एवं उत्तरदायित्व; स्थानीय जानकार व्यक्ति/सहायक; आहार संतुलन कार्यक्रम का कार्यान्वयन । **दिन तीन से सात :** आरबीपी सॉफ्टवेयर पर अभ्यास । **2. क्षेत्र प्रदर्शन** **पहले दिन:** ईयर टैगिंग का प्रदर्शन, शरीर के भार, आहार तथा चारे इत्यादि का मापन;आरबीपी के लिए पशुओं का चयन तथा किसानों के दरवाजे पर आहार संतुलन का प्रदर्शन; क्षेत्र में आरबीपी कार्यान्वयन के दौरान आने वाली समस्याओं पर विचार-विमर्श तथा संभावित समाधान । **दिन दो से सात** : प्रशिक्षुओं/तकनीकी अधिकारियों/ पशु पोषण विदों की उपस्थिति में किसानों के दरवाजे पर आरबीपी सॉफ्टवेयर पर अभ्यास ।

1.2.4

चारा उत्पादन तथा संरक्षण पर प्रशिक्षण

क्रम सं.	विवरण	ब्यौरा
1	कार्यक्रम शीर्षक	चारा उत्पादन तथा संरक्षण पर प्रशिक्षण
2	कार्यक्रम का उद्देश्य	भविष्य में उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों तथा टिकाऊ तकनीकों का प्रयोग करते हुए उन्नत किस्म के चारों को पहचान कर आर्थिक दूध उत्पादन के लिए उत्पादन को बढ़ने की आवश्यकता के बारे में प्रतिभागियों को जानकारी देना । चारे की बर्बादी को कम करने के लिए चारा संरक्षण प्रयासों को प्रचारित करना तथा इसकी उपयोगिता क्षमता को बढ़ाना ।
3	फोकस क्षेत्र	देश में हरे चारे की उपलब्धता को बढ़ाने के लिए डेरी किसानों के बीच चारा फसलों की अद्यतन उच्च उत्पादकता तथा पोषक किस्मों का ग्रहण/पैदावार सुनिश्चित करना ।
4	अवधि	5 कार्य दिवस
5	लक्ष्य प्रतिभागी	कृषि अधिकारी, क्षेत्र पशु चिकित्सक तथा चारा विकास के विस्तार में शामिल अन्य अधिकारी ।
6	पाठयक्रम विषय-वस्तु का संक्षिप्त विवरण	प्रस्तावना - पशुधन को खिलाने वाले हरे चारे का महत्व, मांग बनाम उपलब्धता वर्ष - चक्रीय हरा चारा उत्पादन तकनीक तथा वाणिज्यिक चारा उत्पादन विभिन्न एग्रो - क्लाईमेट जून में उपयुक्त चारा फसल एवं घासें तथा सिल्वी-पाश्चर का विकास एवं प्रबंधन हे तथा साईलेज के रूप में चारे का संरक्षण चारा उपलब्धता को बढ़ाने के लिए योजनाएं तथा चारा हस्तक्षेप अपेक्षित है । फसल अवशेषों का संवर्धन एवं सघनीकरण

1.2.5
चारा बीज उत्पादन तकनीक पर उन्नत प्रशिक्षण

क्रम सं.	विवरण	ब्यौरा
1	कार्यक्रम शीर्षक	चारा बीज उत्पादन तकनीक पर उन्नत प्रशिक्षण
2	कार्यक्रम का उद्देश्य	हरे चारे की उत्पादकता बढ़ाने में चारा फसलों के उन्नत उच्च उत्पादक किस्मों के प्रमाणित/सत्यतापूर्वक लेबल लगाए गए बीज की भूमिका के बारे में प्रतिभागियों को जानकारी देना । चारा फसलों के उन्नत किस्मों के गुणवत्ता युक्त बीजों के उत्पादन को बढ़ाना ।
3	फोकस क्षेत्र	डेरी किसानों को अपेक्षित मात्रा में प्रमाणित/सत्यतापूर्वक लेबल लगाए गए बीजों की उपलब्धता सुनिश्चित करना ।
4	अवधि	5 कार्य दिवस
5	लक्ष्य प्रतिभागी	गुणवत्तायुक्त चारा फसलों के उत्पादन, प्रसंस्करण, प्रमाणनन तथा विपणन में शामिल कृषि/चारा अधिकारी ।
6	पाठयक्रम विषय-वस्तु का संक्षिप्त विवरण	चारा उत्पादन बढ़ाने में चारे तथा गुणवत्ता युक्त बीजों की भूमिका का महत्व चारा बीजों की मांग बनाम उपलब्धता, चारा बीज उत्पादन की समस्याएं एवं संभावनाएं चारा फसलों के बीज उत्पादन, प्रमाणन क्षेत्र एवं प्रयोगशाला मानकों की प्रक्रिया बुनियादी ढांचा, बीज प्रसंस्करण, पैकिंग एवं लेबलिंग चारा बीज विपणन

1.3 डेरी सहकारिताएं

1.3.1 निदेशक मंडल अभिमुखन कार्यक्रम

क्रम सं.	विवरण	ब्यौरा
1	कार्यक्रम शीर्षक	निदेशक मंडल अभिमुखन कार्यक्रम
2	कार्यक्रम का उद्देश्य	प्रतिभागी निम्नलिखित कार्यों के लिए सक्षम होंगे निदेशक मंडल की भूमिका तथा उत्तरदायित्वों को बढ़ाना उनकी दूध संघ व्यापार की क्षमता और कमजोरी की पहचान करना दूध संघों के विकास के लिए बोर्ड बैठकों में विचार-विमर्श के दौरान अधिक चिंता तथा अर्थपूर्ण प्रतिभागिता दिखाना नीति निरूपण पर आधारित समस्या निराकरण तथा निर्णय लेने में व्यवस्थित पहुंच प्रदर्शित करना
3	फोकस क्षेत्र	दूध उत्पादन संस्थाओं के शासन तथा व्यावसायिक प्रबंधन को बेहतर बनाना
4	अवधि	3 दिन
5	लक्ष्य प्रतिभागी	दूध संघों के निदेशक मंडल
6	पाठयक्रम विषय-वस्तु का संक्षिप्त विवरण	सहकारिताओं की स्थिति । संघ उपनियमों, बोर्ड प्रबंधन संबंधों, मिशन स्टेटमेंट तैयार करने और दीर्घकालिक लक्ष्यों, विपणन, गुणवत्ता, उत्पादकता वृद्धि, व्यापार इत्यादि में वर्तमान तरीके, विगत 4-5 वर्षों के दौरान संघ निष्पादन पर प्रदर्शन, शॉट विश्लेषण, वित्तीय विश्लेषण, क्षेत्र दौरों को शामिल करते हुए निदेशक मंडलों, सहकारी विधायिका के कर्त्तव्य तथा उत्तरदायित्व

1.3.2 उत्पादन संबंध प्रबंधन पर क्षेत्र पर्यवेक्षकों का प्रबंधन

क्रम सं.	विवरण	ब्यौरा
1	कार्यक्रम शीर्षक	उत्पादन संबंध प्रबंधन पर क्षेत्र पर्यवेक्षकों का प्रबंधन
2	कार्यक्रम का उद्देश्य	प्रभावी एवं कुशल सहायकों के रूप में कार्य करना । दूध प्राप्ति संस्थागत विकास और सक्रिय प्रतिभागिता को आगे बढ़ाने से संबंधित अपेक्षित मुख्य लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायता करना ।
3	फोकस क्षेत्र	दूध उत्पादकों द्वारा प्रतिभागिता को बेहतर बनाना तथा ग्राम स्तरीय उत्पादक संस्थाओं को सुदृढ़ बनाना ।
4	अवधि	5 दिन
5	लक्ष्य प्रतिभागी	क्षेत्र पर्यवेक्षक
6	पाठयक्रम विषय-वस्तु का संक्षिप्त विवरण	आणंद पैटर्न एवं/या पूरक सहकारी कार्यनीति, सहकारी सिद्धांत/परस्पर सहायक सिद्धांत एवं मूल्य, दूध उत्पादक संस्थाओं का निर्माण एवं संचालन, संस्थागत संरचना को मजबूत बनाना, दूध का मूल्य निर्धारित करना, संचार, प्रतिभागिता संबंधी अवसर, उत्पादन वृद्धि गतिविधियां, महिला सहभागिता इत्यादि ।

1.3.3 वर्तमान दूध प्राप्ति कर्मचारी के लिए व्यापार वृद्धि कार्यक्रम

क्रम सं.	विवरण	ब्यौरा
1	कार्यक्रम शीर्षक	वर्तमान दूध प्राप्ति कर्मचारी के लिए व्यापार वृद्धि कार्यक्रम
2	प्रतिभागी	दूध प्राप्ति कार्मिक - प्रबंधक एवं क्षेत्र पर्यवेक्षक
3	कार्यक्रम का उद्देश्य	प्रतिभागियों को निम्नलिखित के लिए सक्षम बनाना प्रभावी तथा कुशल सहायकों के रूप में कार्य करना दूध प्राप्ति तथा संस्थागत विकास और सदस्य प्रतिभागिता को बढ़ाने संबंधी अपेक्षित मुख्य लक्ष्यों को प्राप्त करना उच्च व्यवसायिक प्रतिबद्धता प्रदर्शित करना तथा सहकारी दूध व्यापार के विकास के लिए पहल करना वर्तमान परिदृश्य का विवरण देना सहकारी डेरी उद्योग में विकास करना तथा सहकारिताओं को प्रतिस्पर्धी बनाने की आवश्यकता की सराहना करना
4	फोकस क्षेत्र	व्याप्ति और प्राप्ति को बेहतर बनाना स्वच्छ और पारदर्शी दूध प्राप्ति व्यवस्था सुनिश्चित करना दूध प्राप्ति स्थल पर कच्चे दूध की गुणवत्ता को बेहतर बनाना
5	अवधि	5 दिन
6	पाठयक्रम विषय-वस्तु का संक्षिप्त विवरण	डेरी सहकारिताओं के समक्ष चुनौतियां तथा उनसे निपटने के उपाए । एनडीएसपी । गुणवत्ता आश्वासन, सहकारिताओं में विधिक सुधार, दुधारू पशुओं में हीट स्ट्रेस प्रबंधन । दूध उत्पादन में वृद्धि हेतु प्रजनन । चारा उत्पादन एवं संरक्षण । सामूहिक कार्यों में मूल्य निष्ठा । क्षेत्र कार्यों में संचार एवं विस्तार, शिकायत निवारण, क्षमता निर्माण, पशु स्वास्थ्य प्रबंधन । आहार संतुलन तथा प्रदर्शन पर प्रस्तुति । मुख्य व्यावहारिक कीमतों को समझना तथा इससे उत्पादक दूध मूल्य पर पड़ने वाले प्रभाव । प्रोत्साहन उपलब्धि । डेरी सहकारिताओं में महिलाओं की भूमिका तथा उन्हें प्रतिभागिता हेतु प्रोत्साहित करने के तरीके । दौरा: ग्राम सहकारी समिति, अमूल डेरी तथा संग्राहलय, आईडीएमसी लि. तथा चारा प्रदर्शन फार्म ।

1.3.4 प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्रम सं.	विवरण	ब्यौरा
1	कार्यक्रम शीर्षक	प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम
2	कार्यक्रम का उद्देश्य	प्रशिक्षण कार्यक्रम को प्रभावी तौर पर संयोजित करने के योग्य होना आवश्यकतानुसार प्रशिक्षण सत्र संचालित करना
3	फोकस क्षेत्र	दूध उत्पादक संस्थाओं तथा दूध उत्पादकों के ग्राम संचालनों की क्षमता बढ़ाने के लिए प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित करना
4	अवधि	5 दिन
5	लक्ष्य प्रतिभागी	यूटीसी के शिक्षक
6	पाठयक्रम विषय-वस्तु का संक्षिप्त विवरण	विभिन्न प्रशिक्षण प्रविधि, किसी दिए गए विषय पर अध्याय योजना बनाना, एक सत्र संचालित करना, प्रशिक्षण तकनीक पर आधारित व्याख्यानों का अभ्यास करना, कार्यक्रम फीडबैक इत्यादि ।

1.3.5 किसान प्रवेश/अभिमुखन कार्यक्रम

क्रम सं.	विवरण	ब्यौरा
1	कार्यक्रम शीर्षक	किसान प्रवेश/अभिमुखन कार्यक्रम
2	प्रतिभागी	दूध उत्पादक/एमसीएम/दूध सहकारी समिति अध्यक्ष
3	कार्यक्रम के उददेश्य	प्रतिभागी निम्नलिखित कार्यो के लिए सक्षम होंगे साफ तथा पारदर्शी दूध प्राप्ति व्यवस्था, प्रशिक्षित डीसीएस कर्मचारी तथा सक्रिय प्रबंध समिति सदस्यों की आवश्यकता की सराहना करना। प्रभावी कार्यक्रमों के लिए डीसीएस स्तर पर महत्वपूर्ण सदस्य शामिल करना तथा महिला सदस्यों की प्रतिभागिता दूध उत्पादन को बढ़ाने के लिए पशुओं की उचित प्रजनन आहार स्वास्थ्य सुरक्षा तथा प्रबंधन के बारे में बताना । फार्म तथा डीसीएस स्तर पर स्वच्छ दूध उत्पादन प्रयासों का अपनाना ।
4	फोकस क्षेत्र	प्रतिभागिता एवं प्राप्ति को बेहतर बनाना कच्चे दूध की गुणवत्ता को बेहतर बनाना उन्नत पशु प्रबंधन प्रयासों के बारे में जागरूकता डीसीएस स्तर पर महिलाओं की प्रतिभागिता को बढ़ाना
5	अवधि	2 दिन
6	पाठयक्रम विषय-वस्तु का संक्षिप्त विवरण	डेरी सहकारिताओं और एनडीडीबी की भूमिका के बारे में संक्षिप्त विवरण; पशु स्वास्थ्य एवं उत्पादकत; आहार और चारा परिप्रेक्ष्य; स्वच्छ दूध उत्पादन; डेरी सहकारिताओं में महिलाओं की भूमिका;सहकारिता के मूल्य एवं सिद्धांत; शैक्षिक फिल्म । दौरा: किसी डीसीएस के कार्य का अध्ययन करने के लिए गांव का दौरा;एआई का प्रदर्शन तथा दूध उत्पादकों के साथ बातचीत; अमूल डेरी और संग्राहलय; चारा प्रदर्शन फार्म और पशु चारा संयंत्र ।

एनडीडीबी और डीडी किसान चैनल बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू)

आणंद: राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) ने खेती और डेरी क्षेत्र से संबंधित अर्थपूर्ण विषय वस्तु उपलब्ध कराने के उद्देश्य से डीडी किसान चैनल के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए ।

एनडीडीबी अध्यक्ष टी. नंदकुमार ने बताया - ''इस संगम से संपूर्ण भारत के लाखों डेरी किसानों को लाभ मिलेगा । इसकी विषय वस्तु जमीनी यथार्थ, वास्तविक समस्याओं तथा किसानों द्वारा सामना किए जाने वाले मुद्दों पर आधारित होगा ।''

उन्होंने किसान चैनल को सूचना एवं सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया । यह एमओयू किसानों को अद्यतन तकनीकी जानकारी प्रसारित करने, उनकी जीविका को बेहतर बनाने तथा उनके ज्ञान को बढ़ाकर उनकी आय की वृद्धि करने तथा व्यापक अर्थों में खेती से संबंधित विभिन्न तकनीकी मुददों की जानकारी प्रदान करने पर केंद्रित है ।

प्रसार भारती अध्यक्ष ए सूर्य प्रकाश ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि इस संयुक्त प्रयास से प्रगतिशील किसानों के सफल होने की कहानियों को आगे बढ़ाने का प्रभावी मंच प्राप्त होगा ।

उन्होंने बताया कि इस समझौते से किसान समुदायों की जीविका एवं उनकी आय में वृद्धि होगी ।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मई में किसान केंद्रित चैनल डीडी किसान का उद्घाटन किया । यह 24 घंटे चलने वाला चैनल मुख्य रूप से कृषि क्षेत्र तथा ग्रामीण भारत पर केंद्रित है ।